ई संदेश

24 सितम्बर, 2026 | अंक - 224

सात दिन, सात पृष्ठ

- हस्तशिल्पियों और कारीगरों के सम्मान व स्वावलम्बन से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : मुख्यमंत्री
- कारीगर केवल श्रमिक न रहें, उद्यमी बनें : मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री जी के 76वें जन्मदिवस पर वाराणसी में 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य शुभारम्भ
- विरासत व विकास के समन्वय से देश को मिली नई दिशा : मुख्यमंत्री
- आगामी छह माह में एक लाख से अधिक युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी : मुख्यमंत्री
- चुनौतियों को समाधान में बदलें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री
- आम जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहे नव चयनित अभ्यर्थी: मुख्यमंत्री
- नारी सम्मान और युवा स्वाभिमान राष्ट्र की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री
- शिक्षक समाज के मार्गदर्शक और नए भारत के निर्माता : मुख्यमंत्री
- सहकारिता से समृद्धिः भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारम्भ
- गोरखपुर में 100 बेड के आधुनिक राजकीय महिला शरणालय का लोकार्पण

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

हस्तशिल्पियों और कारीगरों के सम्मान व स्वावलम्बन से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 सितम्बर, 2026 को जनपद गोरखपुर स्थित श्री विश्वकर्मा पंचायत मन्दिर में आयोजित 'श्री श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव' को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की समृद्ध परम्परा में भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि के शिल्पी और शिल्प के देवता के रूप में पूजा जाता है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह पावन अवसर प्रत्येक उस हस्तशिल्पी और कारीगर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का है, जो अपनी उत्कृष्ट कला, कारीगरी और श्रम के माध्यम से समाज तथा राष्ट्र निर्माण में निरन्तर योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम के दौरान भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को विश्वकर्मा जयन्ती की मंगलमय शुभकामनाएं दीं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर प्रदेशवासियों की ओर से बधाई प्रेषित करते हुए उनके सुदीर्घ, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि आज का दिन अत्यंत पवित्र है, जहां एक ओर सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती है, वहीं दूसरी ओर नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन है, जिनके विजनरी नेतृत्व में 140 करोड़ देशवासी सशक्त व विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर हैं।

मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि विकसित भारत की संकल्पना की सिद्धि में देश की कार्यकारी शक्ति, युवा शक्ति, हस्तशिल्पियों और आधी आबादी यानी नारी शक्ति की सहभागिता सर्वोपरि होगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उन्हें प्रतिवर्ष इस मन्दिर परिसर में आने का सुअवसर प्राप्त होता है, जहां मन्दिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा दशकों पूर्व प्रारम्भ किए गए सेवा अभियान से आज प्रत्येक वर्ग का कारीगर बिना किसी भेदभाव के जुड़कर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हस्तशिल्पियों और पारंपरिक कारीगरों के उत्थान के लिए 'पी0एम0 विश्वकर्मा' के रूप में एक युगांतकारी और सशक्त मंच उपलब्ध कराया गया है। उनका दृढ़ मत है कि जो राष्ट्र अपने हुनरमंद कारीगरों और आर्टिजन्स का यथोचित सम्मान करता है, वही वास्तविक प्रगति की ऊंचाइयों को छूता है। इस दिशा में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा समन्वित रूप से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के अंतर्गत राजमिस्त्री, बढ़ई, हलवाई, सुनार सहित विविध पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े श्रमिकों को आधुनिक प्रशिक्षण, उन्नत टूलकिट तथा बैंकों के माध्यम से सुलभ एवं सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से पूर्णतः सुदृढ़ हो सकें।

मुख्यमंत्री जी ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि आजादी के बाद दशकों तक समाज के स्वावलम्बन की रीढ़ रहे इन पारंपरिक कारीगरों की घोर उपेक्षा की गई। हालांकि, वर्तमान डबल इंजन सरकार ने पहली बार इन उपेक्षित वर्गों की सुध लेते हुए उन्हें सम्मानजनक आजीविका और आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई ठोस व प्रभावी कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में सरकार बनने के उपरांत इस क्षेत्र में मिशन मोड पर कार्य शुरू किया गया, जिसके फलस्वरूप आज प्रदेश के 3 करोड़ से अधिक लोग विभिन्न हस्तशिल्प एवं कारीगरी के माध्यम से सम्मानजनक रोजगार पाकर स्वावलम्बी जीवन जी रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान आधुनिक युग में भगवान विश्वकर्मा की इस पुरातन शिल्प परम्परा को आधुनिक तकनीक, नए वैश्विक बाजारों, उन्नत पैकेजिंग और समकालीन डिजाइनिंग के साथ जोड़कर वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई जा रही है, जो कारीगरों की अथक मेहनत और ईश्वर की असीम अनुकंपा का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

कारीगर केवल श्रमिक न रहें, उद्यमी बनें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 सितम्बर, 2026 को लखनऊ में भगवान विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर आयोजित 'विश्वकर्मा स्वरोजगार एवं स्वदेशी मेला-2026' तथा टूलकिट एवं ऋण वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक ओर आज सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती है, वहीं दूसरी ओर नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का पावन जन्मदिन भी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों के सम्मान का यह बृहद आयोजन प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन का ही प्रतिफल है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों एवं उद्यमियों को विश्वकर्मा जयन्ती की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री जी को प्रदेशवासियों की ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 के तहत मार्जिन मनी ऋण पोर्टल एवं मेले का शुभारम्भ कर विभिन्न स्टॉलों व प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक तथा उन्नत टूलकिट वितरित किए। इस दौरान उनके समक्ष कॉरपोरेट प्रशिक्षण संस्थानों के साथ एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान हुआ तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना पर आधारित एक प्रेरक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मुख्यमंत्री जी ने भगवान विश्वकर्मा के पौराणिक व ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अद्भुत शिल्पकला से समाज कल्याण में अविस्मरणीय भूमिका निभाई। भगवान शिव का त्रिशूल, इन्द्र का वज्र और भगवान श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र भगवान विश्वकर्मा की ही रचनाएं हैं। भगवान श्रीराम की लंका विजय हेतु 100 योजन लंबे समुद्र सेतु निर्माण में भगवान विश्वकर्मा के मानस पुत्र नल-नील की शिल्पकला निर्णायक रही। उन्होंने कहा कि आज हमारे कारीगर व हस्तशिल्पी उसी महान शिल्प परम्परा के ध्वजवाहक हैं, जिनके कौशल व परिश्रम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और रोजगार के नित नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विगत 07-08 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा 06 लाख से अधिक हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों को आधुनिक टूलकिट के साथ उच्चस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है। सरकार का ध्येय केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि कारीगरों को आर्थिक सहयोग, आधुनिक तकनीक, उन्नत डिजाइन, सुलभ बाजार और सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर पूर्णतः आत्मनिर्भर उद्यमी बनाना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर तब समृद्ध और विकसित था, जब यहां का कारीगर स्वयं उद्यमी था और हस्तशिल्पी आत्मनिर्भर था। पिछली सरकारों की उपेक्षापूर्ण नीतियों के कारण कारीगर आधुनिक तकनीक, डिजाइन, बाजार और बैंकिंग प्रणाली से कट गए, जिससे एक स्वावलम्बी उद्यमी धीरे-धीरे दिहाड़ी श्रमिक बनने और पलायन करने को विवश हो गया। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद इस पीड़ा को समझते हुए कारीगरों को सम्मान, सुरक्षा, पूँजी, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने के ठोस प्रयास किए गए।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वर्ष 2018 में 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओ0डी0ओ0पी0) योजना तथा वर्ष 2019 में 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' प्रारम्भ की गई। परंपरागत कारीगर रोज कमाने-खाने वाले वर्ग से हैं, इसलिए उनके लिए प्रशिक्षण के साथ-साथ 10 दिन का निःशुल्क प्रशिक्षण, प्रशिक्षण अवधि में 5,000 रुपये का मानदेय तथा प्रशिक्षण उपरान्त 15,000 रुपये तक की उन्नत टूलकिट एवं सुलभ बैंक ऋण की पारदर्शी व्यवस्था की गई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजना के प्रथम चरण में 11 पारंपरिक ट्रेडों (बढ़ई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, नाई, राजमिस्त्री, सुनार, टोकरी बुनकर, हलवाई, मोची, धोबी) को शामिल किया गया था। अब इसमें 05 नवीन ट्रेड—मूर्तिकार, दूधिया, मालाकार (माली), भड़भूजा/लाई-भुजा और मछुआरा भी जोड़े गए हैं। इसके अतिरिक्त युवाओं की मांग के अनुरूप 09 आधुनिक ट्रेडों (मोबाइल रिपेयर, ऑटोमोबाइल रिपेयर, इलेक्ट्रॉनिक व विद्युत उपकरण मरम्मत, प्लम्बरिंग, कम्प्यूटर रिपेयर, सोलर इंस्टॉलेशन, डिजिटल फोटोग्राफी एवं ब्यूटी पार्लर) सहित कुल 25 ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि युवा केवल श्रमिक न रहकर स्वरोजगार के जरिए रोजगार प्रदाता बनें।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि कारीगरों के उद्यम विस्तार के लिए ऋण की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक की गई है, जिसमें 10 से 15 प्रतिशत तक मार्जिन मनी की सुविधा दी जा रही है। कारीगरों को बिना किसी व्यक्तिगत संपत्ति या गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि उन पर आर्थिक बोझ न पड़े और वे आत्मविश्वास के साथ अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रचुर प्राकृतिक व मानव संसाधन होने के बावजूद उत्तर प्रदेश आर्थिक रूप से उपेक्षित व 'बीमारू' राज्यों में गिना जाता था। वर्तमान सरकार ने उस संकीर्ण मानसिकता को बदलकर उद्यमियों और कारीगरों के लिए सकारात्मक व अनुकूल वातावरण तैयार किया, जिसके फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था के सबसे सशक्त 'ग्रोथ इंजन' के रूप में स्थापित हो चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि आगामी 25 से 29 सितम्बर, 2026 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इण्डिया एक्सपो सेण्टर में 'उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर 2,500 से अधिक एग्जिबिटर्स और 650 से अधिक विदेशी खरीदार भाग लेंगे। इससे स्थानीय शिल्पकारों को 12,000 से 15,000 करोड़ रुपये के व्यापारिक आर्डर मिलने की प्रबल संभावना है, जो सीधे कारीगरों और उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 25 से 29 सितम्बर तक प्रदेश के प्रत्येक जनपद में टूलकिट वितरण एवं बैंक ऋण वितरण का व्यापक अभियान संचालित किया जाएगा, जिसमें कारीगरों को 01 लाख से 08 लाख रुपये तक के ऋण सुलभ कराए जाएंगे। उन्होंने बैंकों से भी कारीगरों को सुगमता से वित्तीय सहायता प्रदान करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन मिलने से आज 96 लाख एम0एस0एम0ई0 इकाइयां कार्यरत हैं, जो लगभग 03 करोड़ 25 लाख नागरिकों को आजीविका प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के माध्यम से युवाओं को 05 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त एवं गारंटी मुक्त ऋण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने अंत में कारीगरों व उद्यमियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी समृद्ध कला को समकालीन बाजार, आधुनिक डिजाइन और नई तकनीकों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के श्रम साधकों के हुनर, उद्यम और अथक परिश्रम के बल पर उत्तर प्रदेश समग्र विकास के नए प्रतिमान स्थापित करेगा।

प्रधानमंत्री जी के 76वें जन्मदिवस पर वाराणसी में 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य शुभारम्भ

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान तथा आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन0 चन्द्रबाबू नायडू ने दिनांक 17 सितम्बर, 2026 को जनपद वाराणसी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 76वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य शुभारम्भ किया। इस अवसर पर काशी से वडनगर जाने वाली विशेष बाइक यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया तथा 'सेवा संकल्प यात्रा अभियान जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष' विषयक प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन भी किया गया।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'जिन्दगी केवल लम्बी ही नहीं, बल्कि बड़ी भी होनी चाहिए', जिसे प्रधानमंत्री जी ने चरितार्थ किया है। उन्होंने रेखांकित किया कि काशी और वडनगर को जोड़ने वाली यह यात्रा वास्तव में प्रधानमंत्री जी की जन्मभूमि और कर्मभूमि तथा संस्कार, साधना व सेवा के त्रिवेणी संगम का प्रतीक है। रक्षा मंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दृढ़ नेतृत्व में भारत ने नक्सलवाद से मुक्ति, धारा-370 की समाप्ति, महिला सशक्तीकरण, 3 करोड़ लखपति दीदियों के निर्माण तथा 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा निर्यात में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि गुजरात के विकास मॉडल से लेकर देश में 843 बिलियन डॉलर के निवेश, 5जी तकनीक, योग की वैश्विक प्रतिष्ठा और नए भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री जी का सेवा भाव सर्वोपरि रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रधानमंत्री जी के पावन जन्मदिवस पर काशीवासियों एवं प्रदेशवासियों की ओर से बधाई देते हुए कहा कि 07 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के उपरान्त प्रधानमंत्री जी ने 'चरैवेति-चरैवेति' के मंत्र के साथ राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण किए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के इस सेवा संकल्प को स्मरणीय बनाने हेतु प्रारम्भ यह यात्रा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', विरासत एवं विकास तथा 'सबका साथ, सबका विकास' के भाव को सशक्त करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वडनगर के एक सामान्य परिवार से निकलकर वैश्विक राजनेता बनने की प्रधानमंत्री जी की यह साधना आज 140 करोड़ देशवासियों को सुरक्षित और समर्थ भारत का दर्शन करा रही है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विगत 12 वर्षों में 04 करोड़ गरीबों को पक्के आवास, 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण से नारी गरिमा की पुनर्प्रतिष्ठा, 11 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन और हजारों अंधेरे गांवों तक दूधिया रोशनी पहुंचाकर आमजन के जीवन को सुगम बनाया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में 60 करोड़ नागरिकों को 05 लाख रुपये का वार्षिक आयुष्मान स्वास्थ्य कवच, 80 करोड़ जरूरतमंदों को निःशुल्क राशन तथा युवाओं को बिना किसी सिफारिश योग्यता के आधार पर पारदर्शी नौकरियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि स्टार्ट-अप, स्टैंड-अप इंडिया और एमएसएमई के सुदृढ़ीकरण से युवा नौकरी प्रदाता बन रहे हैं। इसके साथ ही विश्वस्तरीय सड़क, रेल, वंदे भारत, नमो भारत और मेट्रो नेटवर्क देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई गति दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि नया भारत आज सेमीकंडक्टर निर्माण, क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई मिशन, ड्रोन तकनीक और रोबोटिक्स के क्षेत्र में विश्व स्तर पर आत्मनिर्भर बन रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास के साथ-साथ काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य श्रीराम मन्दिर, विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर, महाकाल लोक तथा केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम का पुनरुद्धार विरासत के सम्मान का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके अतिरिक्त योग एवं प्रयागराज कुम्भ को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का वैश्विक दर्जा मिलना भारत की सांस्कृतिक विजय है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 17 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक संचालित होने वाली इस 20 दिवसीय यात्रा में गुजरात की पावन नदियों का जल लेकर वडनगर से 25-25 बाइक पर 10 दल काशी के लिए तथा उत्तर प्रदेश की 10 पवित्र नदियों का जल लेकर काशी से 10 दल वडनगर के लिए रवाना हुए हैं। काशी का पावन जल वडनगर में भगवान हाटकेश्वर महादेव को तथा गुजरात का पावन जल बाबा विश्वनाथ को समर्पित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 10 राज्यों से गुजरने वाली इस यात्रा में युवा प्रतिदिन 100 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 04 बड़े जनकल्याणकारी सेवा कार्यक्रमों और जनसंवाद के माध्यम से जन-जन को राष्ट्रसेवा के संकल्प से जोड़ेंगे।

आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन0 चन्द्रबाबू नायडू ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि काशी ऊर्जा की पावन नगरी है जिसने देश को वैश्विक सोच और नेतृत्व क्षमता वाला नेता दिया है। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारना, किसान सम्मान निधि, 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' तथा नदी जोड़ो परियोजनाएं प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता का परिणाम हैं। साथ ही उन्होंने प्रयागराज महाकुम्भ-2025 के सफल आयोजनों हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रयासों की सराहना की।

केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री जी की कर्मस्थली में अपनी उपस्थिति को गौरवशाली बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वभर में भारतीयों का मान और संस्कृति का प्रभाव बढ़ा है। उन्होंने युवाओं से प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के विजन का अनुकरण करने का आह्वान किया। वहीं केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता से देश के शीर्ष नेतृत्व तक का प्रधानमंत्री जी का संघर्षमय जीवन 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की सच्ची प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों पर आधारित एक लघु वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया।

विरासत व विकास के समन्वय से देश को मिली नई दिशा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17 सितम्बर, 2026 को लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 76वें जन्मदिवस तथा उनकी 25 वर्षों की अविरल जनसेवा व समर्पण के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अन्तर्गत 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने भगवान विश्वकर्मा जयन्ती की प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए भारत माता की प्रतिमा सहित डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीन दयाल उपाध्याय और श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं के समक्ष श्रद्धापूर्वक दीप प्रज्ज्वलित किया। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से संवाद भी किया। कार्यक्रम स्थल पर भव्य रूप से 03 लाख दीपों का प्रज्ज्वलन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन में देश में विरासत और विकास के अभिनव समन्वय के माध्यम से राष्ट्र को एक नई दिशा प्राप्त हुई है। इस सुदृढ़ नीति और विजन के बल पर आज भारत विश्व पटल पर सबसे तेज गति से उभरती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश के भीतर व्यापक स्तर पर लोककल्याणकारी कार्यों का संचालन हुआ है, जिससे विकसित भारत की संकल्पना साकार हो रही है। इसके साथ ही नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के महान संकल्पों के प्रति जागरूक व प्रेरित करने की दिशा में भी अनेक युगांतकारी एवं अभिनव कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ, यशस्वी एवं सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल से प्रारम्भ हुआ यह पावन अभियान सकारात्मक भाव एवं नई ऊर्जा के साथ सम्पूर्ण प्रदेश में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से प्रदेश के सभी महत्वपूर्ण स्थलों के साथ-साथ विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं के करोड़ों लाभार्थियों के घरों में भी दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उपस्थित कर्मयोगियों सहित प्रदेशभर में योजनाओं के करोड़ों लाभार्थी और प्रबुद्ध नागरिक आज राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत महायज्ञ से जुड़ चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प को धरातल पर साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री जी के साथ मजबूती से खड़ी है।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय के साथ अनेक विशिष्ट जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

आगामी छह माह में एक लाख से अधिक युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 19 सितम्बर, 2026 को लखनऊ में 'मिशन रोजगार' के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया से चयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए कहा कि जब प्रदेश की युवा शक्ति को अवसर मिलता है, तो उनकी मेधा और प्रतिभा का सीधा लाभ पूरे राज्य को प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 के बाद से अब तक 9.5 लाख युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार आगामी 06 माह के भीतर 01 लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नवचयनित युवा उत्तर प्रदेश शासन का अभिन्न अंग बनकर अपनी प्रतिभा और निष्ठा का लाभ प्रदेश की 25 करोड़ जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रतिभाशाली युवाओं के सामर्थ्य से उत्तर प्रदेश देश की नम्बर वन अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होगा। मुख्यमंत्री जी ने दोनों आयोगों के अध्यक्षों व सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि जब भर्ती बोर्ड और आयोग राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर पारदर्शी ढंग से कार्य करते हैं, तो योग्य प्रतिभाओं को न्याय मिलता है।

मुख्यमंत्री जी ने आगामी नियुक्तियों का विवरण देते हुए बताया कि आने वाले 06 माह में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 25,000 से 30,000 पदों के परिणाम घोषित होंगे। इसी प्रकार नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा 20,000 से 25,000 पदों के लिए तेजी से परीक्षाएं कराई जा रही हैं, जिनके परिणाम अगले 3 से 4 माह में आएंगे। इसके साथ ही लोक सेवा आयोग के माध्यम से भी 15,000 से 16,000 युवाओं को विभिन्न विभागों में नियुक्तियां दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि सुरक्षा बलों में भर्ती प्रक्रिया तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 36,000 पदों पर लिखित परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं और वर्तमान में मेडिकल व फिजिकल परीक्षण जारी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के 41,000 से 42,000 पदों पर भी शारीरिक दक्षता व मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया चल रही है, जिन्हें शीघ्र पूर्ण कर नियुक्तियां दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार में विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र वितरण तक प्रत्येक चरण में समयबद्धता और मेरिट का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। समूह 'ग' और 'घ' के पदों से साक्षात्कार समाप्त कर भ्रष्टाचार की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि पहले भर्तियां निकलते ही अवैध वसूली शुरू हो जाती थी और आवेदन न करने वालों तक को नियुक्ति पत्र बांट दिए जाते थे, जो युवाओं के भविष्य के साथ अक्षम्य खिलवाड़ था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश के युवाओं के सामने रोजगार के साथ-साथ पहचान का गंभीर संकट था। पूर्ववर्ती व्यवस्था की 'बीमारू मानसिकता' और भ्रष्टाचार के कारण किसान बदहाल थे तथा नकल, भू व बालू माफिया हावी थे। वर्तमान सरकार ने युवा ऊर्जा को समस्या मानने के स्थान पर आर्थिक अवसर के रूप में देखा। उसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश दंगा, माफिया और उपद्रव से मुक्त होकर 'उत्सव प्रदेश' बन चुका है तथा देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होकर विगत 06 वर्षों से 'रेवेन्यू सरप्लस' स्टेट बना हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विगत 09 वर्षों में समन्वित प्रयासों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय और बजट के आकार को तीन गुना करने में सफलता मिली है, जबकि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भी तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अकेले एमएसएमई सेक्टर में 03 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है तथा ओडीओपी योजना के माध्यम से पारंपरिक शिल्पकारों को तकनीक, डिजाइन व बाजार से जोड़कर प्रदेश से लाखों करोड़ रुपये का निर्यात किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले जहां राज्य में बमुश्किल 120 स्टार्टअप थे, वहीं आज 24,000 से अधिक सफल स्टार्टअप संचालित हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा में 'यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड-शो' का चौथा संस्करण आयोजित हो रहा है, जिसमें 650 विदेशी खरीदार और 2,500 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जिससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि आयुष के क्षेत्र में भी रोजगार के व्यापक अवसर सृजित हुए हैं। केंद्र सरकार द्वारा आयुष मंत्रालय के गठन के बाद आयुर्वेद, योग, यूनानी, होम्योपैथी और सिद्धा पद्धतियों को नई पहचान मिली है तथा प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों व आयुष संस्थानों की श्रृंखला स्थापित हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए निर्देशित किया कि वे पूरी ईमानदारी, शुचिता और तन्मयता के साथ अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करें और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कार्यक्रम के दौरान नवचयनित अभ्यर्थियों ने भी पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पर अपने अनुभव साझा किए तथा मिशन रोजगार की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया।

चुनौतियों को समाधान में बदलें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 19 सितम्बर, 2026 को अपने सरकारी आवास पर 'भारत दर्शन' शैक्षिक भ्रमण पर आए देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) के मेधावी विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री जी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके उच्च आत्मविश्वास की सराहना की। उन्होंने कहा कि चुनौतियों से घबराने के बजाय उन्हें सकारात्मक सोच के साथ समाधान में बदलें; यही दृष्टिकोण जीवन की गति को प्रगति में परिवर्तित करता है।

मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी बच्चों को गोमती बुक फेस्टिवल का भ्रमण कराकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा रचित पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' अनिवार्य रूप से भेंट की जाए। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यह पुस्तक परीक्षा तनाव से मुक्ति और जीवन प्रबंधन के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक ज्ञान ही वास्तविक ज्ञान होता है, इसलिए विद्यार्थी विज्ञान व गणित जैसे विषयों के व्यावहारिक प्रयोग व विश्लेषण पर अधिक बल दें।

शैक्षिक पर्यटन के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ऐसे भ्रमण देश की सांस्कृतिक विरासत, समाज और जमीनी हकीकत को समझने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ महापुरुषों की जीवनियां, धार्मिक ग्रंथ व प्रेरक साहित्य पढ़ने का परामर्श दिया। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि अच्छी पुस्तकों का संग्रह कर 'बुक बैंक' तैयार करना चाहिए, क्योंकि संकट की घड़ी में पुस्तकें ही सच्चा सम्बल बनती हैं।

तकनीक के प्रभाव पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में तकनीक जरूरी है, किन्तु युवाओं को तकनीक का स्वामी बनना चाहिए, उसका दास नहीं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग की सीख दी। स्मार्टफोन पर अत्यधिक समय गंवाने को अनुचित बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि इसका उपयोग चैट जीपीटी, रोबोटिक्स, ड्रोन, डिजिटल लाइब्रेरी और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसी उन्नत विधाओं को सीखकर करियर संवारने में किया जाना चाहिए।

समय प्रबंधन को सफलता की कुंजी बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर पल मूल्यवान है, इसलिए विद्यार्थी अपनी दिनचर्या, अध्ययन, परिवार और स्वयं के लिए समय तय करें। मुख्यमंत्री जी ने बच्चों को लखनऊ, अयोध्या और काशी का भ्रमण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विगत 10 वर्षों में काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर और अयोध्या में भव्य राम मंदिर, एयरपोर्ट व 'राम की पैड़ी' जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से अभूतपूर्व बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री जी ने विद्यार्थियों को अपने गांव, शहर, विद्यालय व तीर्थों को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाते हुए इसे सामाजिक दायित्व बताया। इस अवसर पर कक्षा-5 की छात्रा सुश्री मिष्टी रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया। वहीं देवप्रयाग के विधायक श्री विनोद कण्डारी ने मुख्यमंत्री जी की सतत प्रेरणा से बच्चों के इस तीसरे सफल शैक्षिक भ्रमण के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया।

आम जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहे नव चयनित अभ्यर्थी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 20 सितम्बर, 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से लिपिक संवर्ग सीधी भर्ती-2023 के अन्तर्गत चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चयन प्रणाली में किए गए ऐतिहासिक सुधारों का ही परिणाम है कि वर्ष 2017 से अब तक 9.5 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि आगामी छह माह में एक लाख और युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे तथा अब हर सप्ताह रोजगार से जुड़ा एक बड़ा आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शुचितापूर्ण चयन प्रक्रिया केवल एक अभ्यर्थी ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज में शासन के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से पूर्व भर्तियां भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और पेपर लीक से ग्रस्त थीं, जिससे युवाओं में भारी हताशा थी। वर्तमान सरकार ने भर्ती आयोगों की कार्यप्रणाली में आमूलचूल सुधार किए और समूह 'ग' व 'घ' के पदों से साक्षात्कार समाप्त कर केवल योग्यता और मेधा को ही चयन का एकमात्र आधार बनाया।

मुख्यमंत्री जी ने नवचयनित अभ्यर्थियों से आम जनमानस की समस्याओं के प्रति पूर्ण संवेदनशील रहने का आह्वान करते हुए कहा कि विज्ञापन से लेकर तैनाती तक कहीं भी सिफारिश की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों में दंगे, कर्फ्यू और माफिया का आतंक था, जबकि आज उत्तर प्रदेश भयमुक्त, कर्फ्यू-मुक्त और उत्सवप्रिय राज्य बन चुका है। महाकुम्भ जैसे विराट आयोजनों में 66 करोड़ श्रद्धालुओं का सुरक्षित आगमन इसका प्रमाण है और आज यूपी पुलिस पूरे देश में एक रोल मॉडल के रूप में जानी जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वर्ष 2017 में पुलिस बल में आधे पद रिक्त थे, जिन्हें पारदर्शी तरीके से भरने के साथ-साथ पेपर लीक के विरुद्ध आजीवन कारावास और संपत्ति जब्ती जैसे कठोर कानून बनाए गए। पुलिस की प्रशिक्षण क्षमता को 6,000 से बढ़ाकर 60,000 किया गया तथा महिला पुलिसकर्मियों की संख्या 10,000 से बढ़कर 44,000 से अधिक हो चुकी है। इसके अलावा स्टेट फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना, सभी रेंजों में फॉरेंसिक लैब, 7 शहरों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली और 56 जनपदों में आधुनिक बहुमंजिला पुलिस बैरक विकसित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पीएसी की पूर्व में समाप्त 34 कंपनियों को पुनर्गठित किया गया है और 3 महिला पीएसी बटालियनों का गठन हो चुका है, जिन्हें बढ़ाकर 6 किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक जनपद में साइबर थानों की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री जी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नई तकनीकी चुनौतियों को समस्या मानने के बजाय सकारात्मक सोच और टीमवर्क के साथ समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

नारी सम्मान और युवा स्वाभिमान राष्ट्र की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 20 सितम्बर, 2026 को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, गौतमबुद्धनगर में 'नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान' पर केन्द्रित 'प्रेरणा विमर्श-2026' के समापन सत्र को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की वास्तविक पहचान उसकी सहस्राब्दियों पुरानी सनातन परम्परा, ऋषि संस्कृति और उस उदात्त जीवन-दृष्टि में निहित है, जिसने सदैव 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव के साथ सम्पूर्ण मानवता के कल्याण की कामना की है। सनातन का मूल तत्व संकीर्णता से परे सम्पूर्ण सृष्टि के मंगल से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने स्वस्थ सामाजिक संवाद की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाज के ज्वलंत विषयों से बचने के बजाय उन पर सकारात्मक विमर्श होना चाहिए। उन्होंने भारतीय दर्शन के मूल मंत्रों 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' और 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' का उल्लेख करते हुए बताया कि हमारी संस्कृति ने नारी को परिवार, समाज और राष्ट्र की संप्रभु शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है। भारत की आध्यात्मिक परम्परा अंधानुकरण नहीं, अपितु 'अप्प दीपो भव' की प्रेरणा देकर व्यक्ति को सत्य, आत्मबोध और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर अग्रसर करती है।

सार्वजनिक जीवन में संवैधानिक मर्यादा और सांस्कृतिक चेतना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संवैधानिक पदों पर आसीन रहे महानुभावों के वक्तव्यों से देश की राष्ट्रीय व सामाजिक छवि प्रभावित होती है, अतः सनातन मूल्यों के प्रति किसी भी प्रकार का भ्रम उत्पन्न करना सर्वथा अनुचित है। इसी प्रकार नारी सम्मान केवल राजनीतिक वक्तव्यों का विषय न होकर संस्कारों का अभिन्न अंग होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने युवाओं को आगाह किया कि वे समाज को जाति, पंथ और क्षेत्र के आधार पर बांटने वाली विघटनकारी प्रवृत्तियों से पूर्णतः सतर्क रहें और अपनी ऐतिहासिक जड़ों पर गर्व करें।

मुख्यमंत्री जी ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, रानी अवन्तीबाई लोधी, झलकारी बाई और ऊदा देवी के अदम्य साहस का स्मरण करते हुए बताया कि नारी शक्ति के सम्मान में प्रदेश में तीन महिला पीएसी बटालियनें स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति को विकास के केंद्र में रखा गया है। उत्तर प्रदेश में 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना', 'सामूहिक विवाह योजना', 65 लाख परिवारों को पक्के आवास, उज्ज्वला योजना, 54 हजार बीसी सखियों की तैनाती और महिला दुग्ध उत्पादक कंपनियों के माध्यम से नारी शक्ति को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। प्रदेश पुलिस में महिला आरक्षियों की संख्या 10 हजार से बढ़कर 44 हजार हो चुकी है तथा कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 36-37 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

युवा शक्ति को प्रदेश की रीढ़ बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत नौ वर्षों में राज्य में लगभग 09 लाख युवाओं को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। इसके अतिरिक्त 96 लाख एमएसएमई इकाइयों से सवा तीन करोड़ युवा जुड़े हैं और प्रदेश में प्राप्त 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से पूर्व मात्र 120 स्टार्ट-अप्स थे, जिनकी संख्या आज बढ़कर 24 हजार से अधिक हो चुकी है, जिनमें से लगभग आधे स्टार्ट-अप्स का सफल संचालन महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने सुदृढ़ कानून-व्यवस्था को सर्वांगीण विकास का आधार बताते हुए बताया कि सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति लागू कर उत्तर प्रदेश को दंगा और माफिया-मुक्त राज्य बनाया है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर बलिदानियों का स्मरण करते हुए आह्वान किया कि सभी नागरिक 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को सर्वोपरि रखें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक तकनीक के समन्वय से ही आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक और नए भारत के निर्माता : मुख्यमंत्री

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत नवचयनित 3,567 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 22 सितम्बर, 2026 को माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत नवचयनित 3,567 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिक्षक को कार्यभार ग्रहण करने में कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियुक्ति के उपरान्त यदि किसी प्रबन्धक या अन्य स्तर से अवैध लेन-देन की मांग की गई, तो सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा। प्रदेश में भर्तियां पूरी तरह मेरिट, तकनीक और शुचिता पर आधारित हैं तथा किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मिशन रोजगार के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में 319 प्रधानाचार्य, 258 प्रधानाध्यापक, 2,372 प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टी0जी0टी0) तथा 618 प्रवक्ता (पी0जी0टी0) को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शिक्षक समाज के महत्वपूर्ण मार्गदर्शक और आने वाली पीढ़ी के शिल्पकार हैं। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा, संस्कार, अनुशासन, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रबोध का संचार करें। शिक्षक का आचरण ही विद्यार्थियों की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यदि एक शिक्षक प्रतिवर्ष 100 विद्यार्थियों से संवाद करता है, तो ये शिक्षक मिलकर प्रतिवर्ष 3.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को तराशेंगे, जो वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का नेतृत्व संभालेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार अवसंरचना तैयार कर सकती है, लेकिन उसमें वास्तविक प्राण शिक्षक ही फूंकता है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और गूगल सूचनाएं दे सकते हैं, किन्तु सही-गलत का विवेक और मानवीय मूल्य शिक्षक ही प्रदान करता है।

भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा का स्मरण कराते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तक्षशिला, नालन्दा, भगवान श्रीराम के गुरु वशिष्ठ व विश्वामित्र, श्रीकृष्ण-सुदामा के गुरु सांदीपनि, चाणक्य, महर्षि अगस्त्य, महामना मालवीय तथा डॉ0 कलाम जैसे व्यक्तित्व हमारी गुरु-शिष्य परम्परा की सशक्त पहचान हैं।

प्रदेश में व्यापक प्रशासनिक सुधारों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विगत 09 वर्षों में पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं तथा आगामी 06 माह में एक लाख और युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाएगा। उत्तर प्रदेश अब देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होकर विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

शिक्षकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि राज्य अध्यापक पुरस्कार राशि बढ़ाकर 25 हजार रुपये की गई है तथा 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' के तहत अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों सहित सभी शिक्षकों को प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क उपचार सुविधा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सर्वांगीण विकास पर बल दिया। साथ ही, प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को निर्देशित किया कि वे राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन0सी0टी0ई0) से समन्वय स्थापित कर प्रभावित अभ्यर्थियों को नियमानुसार एक बार का विशेष अवसर उपलब्ध कराने के लिए पत्र प्रेषित करें। मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और ओडीओपी के जरिए पारंपरिक शिल्पों को नई पहचान मिली है, जिसमें वस्त्र व हथकरघा उद्योग में 80 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ 20 लाख से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, जिनमें 28 लाख से अधिक बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। विभिन्न मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों से 4 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं तथा 24 हजार से अधिक स्टार्टअप्स में लगभग आधे स्टार्टअप्स का संचालन महिलाएं कर रही हैं। परिणामस्वरूप प्रदेश में महिला कार्यबल भागीदारी 12 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से महिलाओं को विधायिका में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रदेश में 1 करोड़ से अधिक घरौनी वितरण से महिलाओं को आवासीय संपत्तियों का मालिकाना अधिकार मिला है, जबकि 1 करोड़ 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के नाम पर परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा लागू की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 9 वर्षों की यह यात्रा भयमुक्त वातावरण से आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की यात्रा रही है। उन्होंने दृढ़ता के साथ स्पष्ट किया कि सरकार समाज को बांटने वाली राजनीति और माफिया तंत्र के सामने कभी नहीं झुकेगी तथा विकास व सुरक्षा की गारंटी डबल इंजन सरकार पूरी मजबूती से निभाती रहेगी।

सहकारिता से समृद्धिः भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारम्भ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 23 सितम्बर, 2026 को लखनऊ में सहकारिता विभाग के अंतर्गत अभिनव पहल 'भारत टैक्सी' तथा 'मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना' का औपचारिक शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने भारत टैक्सी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया तथा सहकारिता विभाग के उर्वरक सेतु ऐप, यूपीसीडीसी डेटाबेस सेंटर ऐप एवं कृषक समृद्धि योजना के ई-पोर्टल का लोकार्पण किया। इसके साथ ही भारत टैक्सी के सारथियों (चालकों) को शेयर प्रमाण पत्र, किसानों को ऋण स्वीकृति पत्र व चेक वितरित किए गए तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी, लखनऊ मेट्रो, पुलिस एवं भारत टैक्सी के मध्य एमओयू का आदान-प्रदान हुआ।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत टैक्सी केवल यात्री ढोने का साधन नहीं, बल्कि भारत की गति को प्रगति में बदलने का सशक्त माध्यम है। इससे जुड़ने वाले चालकों को शून्य कमीशन पर कार्य करने की सुविधा के साथ 05 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा गारंटी प्रदान की गई है, जिससे वे निश्चिंत होकर पूरे स्वाभिमान और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर सकेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में सहकारिता आंदोलन सकारात्मक नेतृत्व पाकर आज देश की समृद्धि का आधार बन रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें वित्तीय राहत देने के लिए उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक (एलडीबी) के माध्यम से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत ऋण पर ब्याज दर को 11 प्रतिशत से घटाकर मात्र 06 प्रतिशत कर दिया गया है। योजना के तहत 06 से 10 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक ऋण की सुविधा दी गई है, जिससे आगामी वर्षों में प्रदेश के 05 लाख लघु एवं सीमांत किसानों को लाभान्वित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में बदहाल कानून-व्यवस्था, कर्फ्यू और सड़कों के अभाव के कारण चालक वर्ग असुरक्षा व शोषण का शिकार था, वहीं किसान बिचौलियों और कर्ज के बोझ तले दबा था। वर्तमान में प्रदेश का 60 प्रतिशत से अधिक राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, सुदृढ़ फोर-लेन इंटरस्टेट व जिला कनेक्टिविटी तथा 14 लाख सीसीटीवी कैमरों की निगरानी ने प्रत्येक नागरिक और वाहन चालक को सुरक्षित वातावरण दिया है। इसके अलावा 86 लाख किसानों की 36 हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी, 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन तथा 16 लाख निजी ट्यूबवेलों को मुफ्त बिजली देकर अन्नदाता को आत्मनिर्भर बनाया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः संचालित कर विगत वर्षों में 3 लाख 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित कराया गया है, जहां अधिकांश मिलें चौथे दिन ही भुगतान कर रही हैं। प्रदेश में बीज से लेकर बाजार तक की पारदर्शी व्यवस्था के तहत 50,000 मीट्रिक टन क्षमता के वेयरहाउस स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद प्रदेश में किसानों को समयबद्ध खाद-उर्वरक की आपूर्ति निरंतर सुनिश्चित की गई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में निष्क्रिय और बंद हो चुके 16 सहकारी बैंकों में से 15 को पुनः लाभ की स्थिति में लाया गया है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की कैश क्रेडिट सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख रुपये की गई है, जिसके परिणामस्वरूप 54 लाख नए सदस्य सहकारिता परिवार से जुड़े हैं। डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से अब किसानों को खाद-बीज और अन्य सहकारी सेवाएं पारदर्शी रूप से सुलभ हो रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने परिवहन विभाग को निर्देशित करते हुए सुझाव दिया कि ग्रामीण बस सेवा को भी 'भारत टैक्सी' के मॉडल की तर्ज पर सहकारिता से जोड़ा जाए, जिससे लाखों ग्रामीण युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित हो सकें। वर्तमान में लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज से शुरू हुई यह सेवा जन-जन को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के साथ सहकारिता आंदोलन को जन-कल्याण की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

गोरखपुर में 100 बेड के आधुनिक राजकीय महिला शरणालय का लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 23 सितम्बर, 2026 को जनपद गोरखपुर में महिलाओं एवं संवासिनियों को सुरक्षित व सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आधुनिक सुविधाओं से युक्त 100 बेड के राजकीय महिला शरणालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के अंतर्गत पात्र लाभार्थी बच्चों को लैपटॉप भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि घरेलू हिंसा की शिकार, पारिवारिक कारणों से भटकी अथवा निराश्रित महिलाओं के लिए यह राजकीय महिला शरणालय एक सुरक्षित संबल बनेगा। राज्य सरकार ऐसी महिलाओं को आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध कराने, उनके विधिक अभिभावकों से मिलाने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर स्वावलम्बी बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए निरंतर प्रयासरत है। कन्या के जन्म से लेकर स्नातक तक की शिक्षा हेतु 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के तहत 25,000 रुपये का पैकेज, विवाह के लिए 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' में 01 लाख रुपये का अनुदान तथा बुजुर्ग अवस्था में वृद्धावस्था पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाएं लागू की गई हैं। इसके साथ ही गरीब परिवारों को घरौनी देकर घर की महिला सदस्य के नाम भूमि का अधिकार दर्ज कराया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में असुरक्षा और अराजकता का वातावरण था, जहां बेटियों की शिक्षा और सामान्य जनजीवन बाधित रहता था। वर्तमान सरकार ने प्रदेश को कर्फ्यू, उपद्रव, दंगा और अवैध कब्जों से मुक्त कर सुरक्षित माहौल दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश को इनसेफेलाइटिस जैसी घातक बीमारी से मुक्ति दिलाई गई है, जिससे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इससे होने वाली मृत्यु दर अब शून्य पर आ चुकी है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, बीसी सखी तथा दुग्ध उत्पादक समितियों के माध्यम से लाखों महिलाएं आर्थिक भागीदारी है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से नीति-निर्माण में भी महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ है, वहीं मिशन रोजगार के अंतर्गत अब तक 09 लाख से अधिक युवाओं को निष्पक्ष सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर एवं पूर्वांचल क्षेत्र में सड़कों, फोर-लेन मार्गों, लिंक एक्सप्रेस-वे, रेल तथा वायु सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से आवागमन सुगम हुआ है। डबल इंजन सरकार जन-कल्याण और संतुलित विकास की नीतियों के माध्यम से प्रदेश को प्रगति के नए प्रतिमानों पर स्थापित कर रही है।

माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनभवन परिसर में 17 सितंबर 2026 को 'गंगासागर नमो नमः' परियोजना का लोकार्पण किया

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित